Ancient Vedic Mantras and Rituals

Snan Daan Ki Purnima | महत्व, पूजा विधि, तिथि और मान्यता | PDF

हिंदू धर्म में **पूर्णिमा तिथि** अत्यंत शुभ और पुण्यदायिनी मानी जाती है, विशेष कर **मार्गशीर्ष पूर्णिमा** का अत्यधिक महत्व है। इस दिन **स्नान-दान** करना बेहद फलदायी माना गया है। मान्यता है कि इस पवित्र तिथि पर **तीर्थों में स्नान**, **गाय-दान**, **अन्न-दान**, **वस्त्र-दान** और **गरीबों को भोजन कराने** से पापों का नाश होता है और सौभाग्य, धन-संपदा तथा मानसिक शांति प्राप्त होती है।

धार्मिक मान्यता:
भविष्य पुराण और स्कंद पुराण में उल्लेख है कि इस दिन किया गया दान **अनंत गुना फल देकर मोक्ष** की प्राप्ति कराता है।

पूजा-विधि

- प्रातःकाल पवित्र नदी या घर में गंगाजल मिश्रित जल से स्नान
- सूर्यदेव को अर्घ्य

- भगवान श्री विष्णु, श्री दत्तात्रेय का पूजन
- गरीबों को भोजन व दान

श्री दत्तात्रेय प्रकट्योत्सव : त्रिदेव अवतार का प्रागट्य दिवस
मार्गशीर्ष पूर्णिमा को **भगवान श्री दत्तात्रेय** का प्रकट्योत्सव मनाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन ब्रह्मा, विष्णु और महेश के संयुक्त अवतार **दत्तात्रेय** ने पृथ्वी पर अवतार लिया था। दत्तात्रेय को **ज्ञानयोग, भक्ति, वैराग्य, योग शक्ति और गुरु-तत्व का प्रतीक** माना जाता है।

दत्तात्रेय पूजा-विधि

- गायत्री मंत्र व दत्त मंत्र ("ॐ श्री दत्ताय नमः") का जाप
- घी का दीपक, चंदन, अक्षत, पुष्प, तुलसी से पूजा
- गऊ-सेवा व साधुओं की सेवा

पूजन का महत्व

- जीवन की बाधाएँ दूर होती हैं
- मानसिक संतुलन और ज्ञान की प्राप्ति
- रोग-शोक, आर्थिक कठिनाइयाँ और ग्रह दोष शांत होते हैं
- गुरु कृपा की प्राप्ति

इस दिन दान के विशेष लाभ

दानलाभअन्न-दानपरिवार में सुख-समृद्धिवस्त्र-दानदरिद्रता का नाशजल/गौ-दानरोग एवं कष्टों से मुक्तिदीपदानघर में सकारात्मक ऊर्जाइस **स्नान दान पूर्णिमा एवं दत्तात्रेय प्रकट्योत्सव** पर सभी भक्तों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

भगवान दत्तात्रेय सबके जीवन में **शांति, समृद्धि और ज्ञान का प्रकाश** फैलाएँ।

RELATED ARTICAL

पूर्णिमा व्रत कथा

भगवान विष्णु व्रत कथा

THANKS FOR READING

READ MORE RELIGIOUS CONTENT ON

vedicprayers.com

VEDIC PRAYERS